ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शुक्रवार 26 जून 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 3 अंक 74

वेनेजुएला में महाविनाश: 589 मौतें, 39 हजार लापता; मलबे से अब भी आ रहीं जिंदा लोगों की आवाजें

24 न्यूज अपडेट

कराकस। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। अब तक 589 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 2,980 लोग घायल हैं। सरकार ने बताया कि करीब 39 हजार लोग अब भी लापता हैं और कई इमारतों के मलबे से लोगों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों के समय देश में काराबोबो युद्ध की वर्षगांठ के कारण राष्ट्रीय अवकाश था। अधिकांश लोग अपने घरों में मौजूद थे और फीफा वर्ल्ड कप के मैच देख रहे थे। इसी वजह से बड़ी संख्या में लोग इमारतों के मलबे में दब गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) ने चेतावनी दी है कि आपदा का वास्तविक असर अभी सामने आना बाकी है। एजेंसी के अनुसार 10 हजार से अधिक लोगों की मौत की 44% और एक लाख तक मौतों की 30% संभावना जताई गई है। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक इस आपदा से

वेनेजुएला को करीब 9.5 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान हो सकता है। सबसे ज्यादा तबाही ला गुआइरा राज्य में हुई है, जहां सेना के साथ स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय राहत दल लगातार बचाव अभियान चला रहे हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने देश में आपातकाल लागू करते हुए कहा कि मलबे में फंसे हर व्यक्ति को निकालने के लिए बचाव अभियान दिन-रात जारी रहेगा। भारत ने भी राहत अभियान में मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमान फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से अधिक राहत सामग्री लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से बातचीत कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिया है। उधर, तुर्किये समेत कई देशों ने भी खोज एवं बचाव दल, मेडिकल टीम और राहत सामग्री भेजने की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का कहना है कि आने वाले 48 घंटे राहत एवं बचाव अभियान के लिए सबसे अहम साबित होंगे।

उदयपुर को बड़ी सौगात: 15 अक्टूबर से मुंबई और बेंगलुरु के लिए अकासा एयर की रोजाना सीधी उड़ानें

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर की हवाई कनेक्टिविटी को बड़ी मजबूती मिलने जा रही है। बजट एयरलाइन अकासा एयर ने 15 अक्टूबर से उदयपुर को देश के दो प्रमुख महानगरों मुंबई और बेंगलुरु से रोजाना नॉन-स्टॉप उड़ानों के जरिए जोड़ने की घोषणा की है। इसके साथ ही दोनों रूटों के लिए टिकट बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। नई सेवाओं से पर्यटन, कारोबार, डेस्टिनेशन वेडिंग और आईटी सेक्टर से जुड़े यात्रियों को सीधी उड़ान का लाभ मिलेगा। लंबे समय से इन दोनों शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी की मांग की जा रही थी, जिसे अब अकासा एयर ने पूरा किया है। जारी शेड्यूल के अनुसार बेंगलुरु से उड़ान QP-1527 सुबह 8:40 बजे रवाना होकर 10:55 बजे उदयपुर पहुंचेगी। वापसी में उड़ान QP-1528 सुबह 11:35 बजे उदयपुर से रवाना होकर दोपहर 1:55 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी। इसी तरह मुंबई से उड़ान QP-1155 सुबह 11:25 बजे रवाना होकर दोपहर 1:00 बजे उदयपुर पहुंचेगी, जबकि वापसी में QP-1156 दोपहर 1:40 बजे उदयपुर से उड़ान भरकर 3:10 बजे मुंबई हुंचेगी। अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी आनंद श्रीनिवासन ने कहा कि उदयपुर देश के सबसे प्रमुख पर्यटन और डेस्टिनेशन वेडिंग स्थलों में शामिल है। महानगरों से बढ़ती मांग को देखते हुए इन नई उड़ानों की शुरुआत की जा रही है, जिससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। टिकटों की बुकिंग एयरलाइन की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से शुरू हो चुकी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड में चंपत राय का इस्तीफा, 8 आरोपी 14 दिन के लिए जेल भेजे

24 न्यूज अपडेट

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। वहीं, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर प्रबंधन से बाहर किए जाने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार अब ट्रस्ट के पुनर्गठन की तैयारी शुरू हो गई है। उधर, चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार सभी 8 आरोपियों को मेडिकल के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि आरोपियों से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपए की बरामदगी हुई है। सोमवार को सभी को दोबारा अदालत में पेश किया जाएगा। मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा का नाम शामिल नहीं है। इसके बाद देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और रमाशंकर मिश्रा शामिल हैं। इनमें कुछ आरोपी ट्रस्ट से जुड़े कर्मचारियों और एसबीआई कर्मियों के रूप में कार्यरत थे। सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट में चढ़ावे की गिनती के दौरान व्यवस्थित तरीके से गबन के साक्ष्य मिलने के बाद कार्रवाई तेज हुई और दो दिन के भीतर गिरफ्तारी की गई। इस पूरे मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आस्था के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई होगी। वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसे “महापाप” बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भी ट्रस्ट से जवाबदेही तय करने की मांग उठाई, जबकि कांग्रेस ने इस मुद्दे को संसद के मानसून सत्र में उठाने का ऐलान किया है। सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट के पुनर्गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है। नए ढांचे में किसी सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी या पूर्व न्यायाधीश को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की जिम्मेदारी दिए जाने पर भी विचार किया जा रहा है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आईडी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

पुणे मंगेतर हत्याकांड में नया खुलासा: विग और हकलाने को लेकर था विवाद, पुलिस बोली- शादी से खुश नहीं थी सिया

24 न्यूज अपडेट

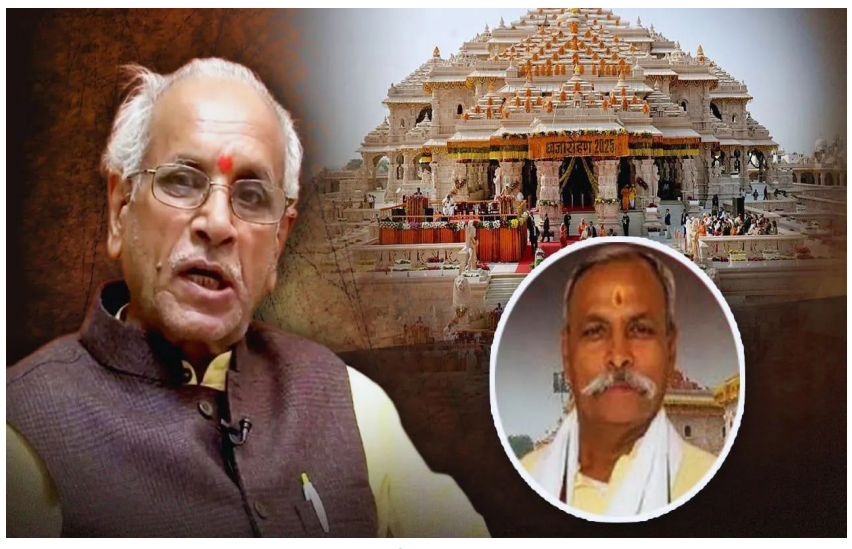

पुणे। कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि केतन अग्रवाल हेयर विग का पैच लगाते थे और उन्हें हल्की हकलाहट की समस्या भी थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, मंगेतर सिया गोयल को यह बात पसंद नहीं थी और इसी कारण वह इस रिश्ते से असंतुष्ट थी। पुलिस का दावा है कि सिया शादी नहीं करना चाहती थी, लेकिन केतन सगाई तोड़ने को तैयार नहीं था। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा कि सिया और उसके परिवार को पहले से पता था कि केतन विग लगाते हैं। यदि उन्हें यह स्वीकार नहीं था तो शादी से पहले ही मना कर सकते थे। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी की विग लगाना हत्या का कारण हो सकता है। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को सिया और केतन पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे, जहां केतन खाई में गिर गए और उनकी मौत हो गई। जांच में सामने आया कि सिया ने अपने कथित प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। दोनों आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड में हैं और उनसे पूछताछ जारी है। जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या से एक दिन पहले 17 जून को सिया और चेतन कोंढवा स्थित एक कैफे में मिले थे, जहां कथित तौर पर हत्या की पूरी योजना बनाई गई। पुलिस का दावा है कि 14 जून को भी केतन को खाई में धक्का देने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह बच गए थे। यदि यह योजना भी विफल रहती तो सड़क दुर्घटना का बैकअप प्लान तैयार किया गया था। मामले में एक और महत्वपूर्ण दावा उस व्यक्ति ने किया है, जिसने खाई से केतन का शव निकालने में मदद की थी। उसके अनुसार, हादसे के बाद जहां अन्य लोग घबराए हुए थे, वहीं सिया पूरी तरह शांत दिखाई दी। उसने न रोने की कोशिश की और न ही किसी तरह की घबराहट दिखाई। किले के सुरक्षा गार्ड ने भी बताया कि सूचना मिलने पर सिया ने सिर्फ इतना कहा था कि कोई खाई में गिर गया है। दूसरी ओर, सिया के माता-पिता ने पहली बार मीडिया के सामने अपनी प्रतिक्रिया दी। मां पूजा गोयल ने कहा कि यदि उनकी बेटी जांच में दोषी साबित होती है तो उसे भी सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि सिया इस शादी के लिए तैयार थी और परिवार को उसके किसी प्रेम संबंध की जानकारी नहीं थी। पिता प्रवीण गोयल ने कहा कि केतन और सिया एक-दूसरे से प्रेम करते थे और लोहगढ़ किले पर जाने का प्रस्ताव भी केतन ने ही दिया था। इधर, पुलिस पूछताछ में सिया और चेतन एक-दूसरे को हत्या का मास्टरमाइंड बता रहे हैं। चेतन का कहना है कि पूरी योजना सिया ने बनाई, जबकि सिया ने हत्या का आइडिया चेतन का बताया है। पुलिस का मानना है कि दोनों अपने बचाव के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। मामले की जांच जारी है और पुलिस डिजिटल साक्ष्यों सहित अन्य सबूत जुटाने में लगी हुई है।

NCERT की 9वीं की नई किताब में संविधान की प्रस्तावना नहीं, इमरजेंसी पर नया अध्याय जोड़ा

24 न्यूज अपडेट

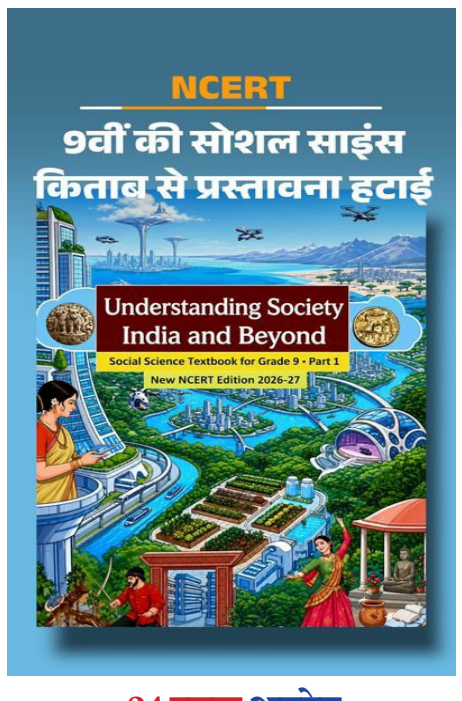

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की कक्षा 9वीं की नई सोशल साइंस की किताब में बड़ा बदलाव किया गया है। नई पुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड' से संविधान की प्रस्तावना को हटा दिया गया है। इसके साथ ही 'सोशलिस्ट', 'सेक्युलर', 'सॉवरेन', 'डेमोक्रेटिक' और 'रिपब्लिक' जैसे शब्दों का भी उल्लेख नहीं किया गया है, हालांकि संविधान के निर्माण, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई है। किताब में पहली बार 1975 की इमरजेंसी पर अलग सेक्शन जोड़ा गया है, जिसमें इसे भारतीय लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया है। पुस्तक में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन, इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश, प्रेस सेंसरशिप, मौलिक अधिकारों के निलंबन और 1977 के चुनावों के जरिए लोकतंत्र की बहाली का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही फेक न्यूज, गलत सूचनाएं, गरीबी, क्षेत्रवाद, सामाजिक भेदभाव और लैंगिक असमानता जैसी लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों को भी शामिल किया गया है। नई किताब में 'डेमोक्रेसी एंड यू' नाम से नया सेक्शन जोड़ा गया है, वहीं चुनाव आयोग की भूमिका, 2024 के आम चुनाव, ईवीएम, वीवीपैट और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर भी विस्तार से जानकारी दी गई है।

संपादकीय : अनुत्तरित प्रश्न

जैसे ही कोई हादसा होता है, धड़ाधड़ सूचनाएं आने लगती हैं कि कैसे नियमों के अनुपालन में कोताही बरती गई और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों की अनदेखी की गई। भवन निर्माण की मंजूरी, सुरक्षा मानकों के अनुपालन, निरीक्षण तंत्र, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और विभिन्न विभागों की लापरवाही को लेकर असंख्य तथ्य सामने आने लगते हैं। लखनऊ के अलीगंज हादसे को लेकर भी खबरें आ रही हैं। नियमों के अनुपालन में सख्ती के दावे अधिकारी कर रहे हैं। कई स्तर पर कार्रवाई की सूचनाएं प्रशासन जारी कर रहा है। अहम सवाल है कि अगर खामियों के बारे में पहले से सब कुछ पता रहता है, तो किस मजबूरी में प्रशासन ने इस मामले में अब तक आंखें बंद कर रखी थीं? ऐसे हादसों में नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठते हैं। कुछ दिनों तक जांच चलती है और खामोशी छा जाती है। जांच में ऐसी कोताही अस्वीकार्य होनी चाहिए। दरअसल, इस तरह के हादसे मौजूदा दौर में सेवा क्षेत्र के इर्द-गिर्द फलती-फूलती शिक्षा अर्थव्यवस्था, अनियोजित शहरी विस्तार और नियमन की विफलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। कम पूंजी निवेश में मोटे मुनाफे के लालच में नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। ऐसे उल्लंघन पूरे भारत में आम हैं, जहां व्यावसायिक और शैक्षिक प्रतिष्ठान बुनियादी सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी कर रहे हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि लगभग एक दशक पहले कथित अनधिकृत निर्माण के आरोप में अलीगंज की संपत्ति को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इसे एलडीए आवास योजना के तहत आवंटित किया गया और बाद में बेचा गया था। इसे 2014 में आवासीय संरचना के रूप में मंजूरी दी गई थी। एलडीए ने अवैध निर्माण का पता चलने पर मई 2016 में गिराने का आदेश जारी किया, लेकिन दो महीने के भीतर ही आदेश वापस ले लिया। इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं कि विध्वंस के आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ ? इसे वापस क्यों लिया गया ? लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं। अधिकांश योजनाओं और भवन उपनियमों में मिश्रित उपयोग वाले निर्माण की अनुमति दी जाती है, बशर्ते ऐसी इमारतें अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करती हों । लखनऊ के हादसे से स्पष्ट है कि दशकों तक गैर-कानूनी तरीके से आवासीय इमारत में कोचिंग संस्थान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रहीं और प्रशासन सोता रहा। आए दिन होने वाले अग्निकांड से कोई सबक नहीं सीखा गया । प्रत्येक आपदा से मिलने वाले सबक सीमित रह जाते हैं। घटना के तुरंत बाद इमारत को सील करने और नोटिस देने का जो सिलसिला शुरू होता है, वह महज एक नियमित प्रक्रिया है। जांच की कवायद कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चली जाती है। बीते कुछ महीनों में कोचिंग संस्थानों, होटलों और इसी तरह के प्रतिष्ठानों में लगी आग की कई घटनाएं सामने आई हैं। व्यापक रूप से चर्चा उन हादसों को लेकर हुई है, जिनमें जान-माल का नुकसान हुआ । हादसे छोटे हों या बड़े किसी भी मामले में अगर कोताही न बरती जाए, नियमों को लेकर सख्ती की जाए, तो काफी हद तक ऐसे हादसों को टाला जा सकता है जरूरत गंभीरता से कार्रवाई करने की है।

असुरक्षित दिल्ली

आज हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जहां दी जाती है। यह कानून व्यवस्था का चंद रुपए के लिए किसी की हत्या कर मसला जरूर है, लेकिन इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को लगातार अनदेखा किया गया है। चिंता की बात है कि बच्चों का स्वभाव भी अब उग्र होता जा रहा है। मामूली बातों पर आपा खो देना सामान्य बात हो गई है। दिल्ली में एक बार फिर महज कुछ रुपए के लिए एक व्यक्ति की हत्या समाज की मनोदशा की स्याह तस्वीर सामने रखती है। खबरों के मुताबिक पिछले दिनों राजधानी के तिलक नगर इलाके में मात्र डेढ़ सौ रुपए के विवाद में तीन नाबालिगों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। नाबालिगों में इस तरह बढ़ रहे दुस्साहस की वजह जानने की आवश्यकता है। दिल्ली में स्थानीय निकाय से लेकर राज्य और केंद्र तक- तीन इंजन की सरकार होने और पुख्ता सुरक्षा के दावों के बीच इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, तो स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर यहां पढ़ने- लिखने की उम्र में बच्चे हथियार लेकर चल रहे हैं, यह कानून व्यवस्था संभालने वालों की भी लापरवाही है। इस तरह के अपराध से नागरिकों के मन में असुरक्षा का बोध बढ़ेगा। वैसे भी आत्मकेंद्रित हो रहे समाज में अब कोई किसी को बचाने के लिए आगे नहीं आता। हालांकि तिलक नगर में हुई हत्या के मामले में आरोपी तीन किशोरों को दिल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटे में पकड़ लिया, लेकिन सवाल है कि नाबालिगों के हाथों में चाकू जैसे घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं ? गौरतलब है कि दिल्ली में पहले भी इसी तरह महज चार सौ रुपए के लेनदेन के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। ताजा मामले में बताया गया कि पीड़ित ने जबरन एक किशोर से डेढ़ सौ रुपए लिए थे, जिसे वह वापस नहीं कर रहा था। इस तरह की घटनाओं से स्पष्ट है कि हम किशोरों को सामाजिक मूल्यों का पाठ नहीं पढ़ा पाए हैं। नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है।

परंपरागत मार्ग को लेकर सहमति नहीं बनी, देवगढ़ में लगातार दूसरे वर्ष नहीं निकला मुहर्रम का ताजिया जुलूस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी के पावन अवसर पर गुरुवार को धर्मनगरी उदयपुर का आध्यात्मिक वातावरण भक्ति, श्रद्धा और सनातन आस्था के अनुपम रंगों से सराबोर नजर आया। वर्ष की सर्वाधिक पुण्यप्रद एवं महाफलदायी मानी जाने वाली निर्जला एकादशी पर विश्व विख्यात जगदीश मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अलसुबह ब्रह्ममुहूर्त में प्रातः 4:15 बजे मंगला आरती के साथ भगवान श्री जगन्नाथ राय के दर्शनों का शुभारंभ हुआ और इसके बाद दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पद्मपुराण एवं स्कंदपुराण में वर्णित है कि इस दिन विधिपूर्वक उपवास एवं भगवान विष्णु की आराधना करने से वर्षभर की चौबीसों एकादशियों के व्रत का पुण्य प्राप्त होता है। इसी मान्यता के कारण जगदीश मंदिर में इस बार श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ देखने को मिली। मंदिर में दर्शनार्थियों की कतारें इतनी लंबी रहीं कि उनका क्रम भटियानी चौहट्टा स्थित लक्ष्मीजी मंदिर से आगे तक पहुंच गया। कतारबद्ध श्रद्धालु भगवान विष्णु के जयघोष करते हुए आगे बढ़ते रहे। “जय श्री जगदीश”, “गोविंद-गोविंद” और “विष्णु भगवान की जय” के उद्घोषों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। निर्जला एकादशी पर भगवान को ऋतु अनुरूप विशेष अर्पण किए गए। फल, पुष्प, शीतल जल से भरी मटकियां, मौसमी फलों का भोग तथा विविध नैवेद्य अर्पित कर प्रभु से लोककल्याण की कामना की गई। दोपहर में राजभोग आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मंदिर में रात्रि 12 बजे तक दर्शन का क्रम जारी रहने की व्यवस्था की गई है। भीषण गर्मी को देखते हुए मंदिर प्रशासन एवं सेवा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। मंदिर परिसर तथा मार्गों पर विशाल टेंट लगाकर छाया की व्यवस्था की गई है। जंबो कूलर स्थापित किए गए हैं ताकि दर्शनार्थियों को गर्मी से राहत मिल सके। विभिन्न स्थानों पर सेवा काउंटर लगाकर श्रद्धालुओं को शीतल छाछ एवं पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। सेवा भाव से जुड़े कार्यकर्ता लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। उदयपुर सहित राजस्थान और देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान जगदीश के दर्शन कर स्वयं को धन्य बताया। श्रद्धालुओं ने कहा कि निर्जला एकादशी पर जगदीश मंदिर में दर्शन करना उनके लिए आध्यात्मिक सौभाग्य का विषय है। भगवान के दिव्य विग्रह के समक्ष पहुंचकर उन्हें अद्भुत शांति और आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई।

पीड़ित के सामने टेबल पर पैर रखकर बैठी महिला कॉन्स्टेबल सस्पेंड

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा थाने में तैनात महिला कॉन्स्टेबल रीना गर्ग को गैर-पेशेवर आचरण के मामले में सस्पेंड कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर में महिला कॉन्स्टेबल एक बुजुर्ग फरियादी के सामने टेबल पर पैर रखकर कुर्सी पर बैठी नजर आ रही थीं। यह तस्वीर सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे और लोगों ने इसे आमजन के प्रति असम्मानजनक व्यवहार बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई। मामला बढ़ने पर डूंगरपुर एसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला कॉन्स्टेबल रीना गर्ग को निलंबित कर दिया। वहीं, कई लोगों ने पूरे मामले की विभागीय जांच कर उचित कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

नेला तालाब के पास बछड़े का शव मिलने पर बवाल, प्रदर्शन के बाद पुलिस ने मांगा दो दिन का समय

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में नेला तालाब के पास एक बछड़े का आधा जला हुआ शव मिलने से शुक्रवार को तनाव का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और गौ रक्षक बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख गोवर्धन विलास थानाधिकारी राजेंद्र सिंह चारण भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से समझाइश की। पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दो दिन के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार करने और सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया, जिसके बाद करीब डेढ़ घंटे तक चला चक्काजाम समाप्त हुआ। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

MB हॉस्पिटल में मोबाइल चोर दबोचा, 3 मोबाइल और 2 हजार नकद बरामद, होमगार्ड जवानों ने दिखाई मुस्तैदी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय में शुक्रवार सुबह होमगार्ड जवानों की सतर्कता से एक संदिग्ध मोबाइल चोर को पकड़ लिया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड प्रभारी माधव सिंह और उनकी टीम ने संदिग्ध गतिविधियां नजर आने पर एक युवक को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उसके पास से तीन मोबाइल फोन और दो हजार रुपये नकद बरामद हुए, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान सोमाराम पुत्र लाडूराम, निवासी जसवंतगढ़ के रूप में हुई है। होमगार्ड जवानों ने आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए हाथीपोल थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद मोबाइल किन लोगों के हैं, आरोपी अन्य मोबाइल चोरी की वारदातों में शामिल रहा है या नहीं, वहीं फरार साथी की तलाश भी तेज कर दी गई है।

भोमेश्वर महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 जून। आशापुरा विहार कॉलोनी, बेडवास में नवनिर्मित भोमेश्वर महादेव मंदिर का दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धार्मिक आस्था एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। जानकारी देते हुए गणेशलाल डूंगावत (शर्मा) ने बताया कि आशापुरा विहार कॉलोनी में नवनिर्मित भोमेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत पहले दिन शुक्रवार शाम 5 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीतों के साथ भाग लिया। इसके पश्चात रात्रि में संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायकों ने एक से बढक़र एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार प्रात: वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच हवन-पूजन एवं पूर्णाहुति संपन्न हुई। इसके बाद विधि-विधान से भगवान भोमेश्वर महादेव की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं स्थापना की गई। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भूपेंद्र शर्मा, किशन लोहार, राधेश्याम, गणेशलाल शर्मा, रामलाल, लक्ष्मीलाल मेनारिया, नारायण लोहार सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

वृक्षम द्वारा निर्जला एकादशी पर गौसेवा एवं हवन का आयोजित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, । वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर शिव शंकर गौशाला, पारा खेत, कलड़वास में गौपूजन , गौसेवा एवं यज्ञ हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गौमाताओं को गुड़-रोटी, हरी घास एवं लपसी खिलाई गई तथा उनकी सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना के साथ एकादशी हवन का आयोजन किया गया। हवन कार्यक्रम का संचालन वैदिक पुरोहित डॉ भूपेन्द्र शर्मा द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इस अवसर पर वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान की वरिष्ठ सदस्य कमला शर्मा, अध्यक्ष डॉ. गोपेश शर्मा, उपाध्यक्ष अनिल पारिख, सचिव यशवन्त त्रिवेदी, सह सचिव निलेश पालीवाल, एक्जीक्यूटिव सदस्य लवीश चपलोत, महेश उपाध्याय, ओम प्रकाश शर्मा, शालिनी उपाध्याय एवं आरव पालीवाल उपस्थित रहे। गौशाला सचिव शालिनी राजावत एवं अध्यक्ष गिरिजा कुंवर ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया । मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण, गौसेवा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। निर्जला एकादशी पर आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति, गौसंवर्धन एवं सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

10 से 12 जुलाई तक होगा कैट उड़ान एग्जिबीशन 2.0, 100 महिला उद्यमी करेंगी उत्पादों का प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कैट वूमेन विंग की ओर से 10 से 12 जुलाई तक सॉलिटेयर गार्डन एंड बैंक्विट में कैट उड़ान एग्जिबीशन 2.0 का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए होटल गोरबंद में आयोजित बैठक के दौरान करीब 100 स्टॉलों का आवंटन किया गया। कैट की राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव एवं कैट वूमेन विंग उदयपुर की अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गलूंडिया ने बताया कि यह प्रदर्शनी पूरी तरह “महिलाओं द्वारा, महिलाओं के लिए” आयोजित की जा रही है, जिसमें 100 से अधिक महिला उद्यमी बुटीक, ज्वेलरी, हस्तकरघा, फूड, होम डेकोर, बेकरी और आर्ट एंड क्राफ्ट सहित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय करेंगी। तीन दिवसीय आयोजन में उद्घाटन समारोह, मीडिया एक्सीलेंस अवार्ड, पिलर ऑफ स्ट्रैंथ अवार्ड, ज्योतिष कैंप, हम हिंदुस्तानी स्टेट डांस प्रतियोगिता, लिटिल मास्टर शेफ प्रतियोगिता और प्रतिदिन 20 हजार रुपए तक के 31 आकर्षक पुरस्कारों वाली हाउजी आयोजित होगी। कैट वूमेन विंग की सचिव डॉ. सोनू जैन ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए साक्षी भट्ट, चयनिका गलूंडिया, संगीता मूंदड़ा, नैना जैन, रुखसाना साबुनवाला सहित पूरी टीम तैयारियों में जुटी हुई है। आयोजकों ने शहरवासियों से प्रदर्शनी में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर पलटा 30 हजार लीटर दूध से भरा टैंकर, बहते दूध को बाल्टियों-ड्रमों में भर ले गए लोग

24 न्यूज अपडेट

बहरोड़। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर शुक्रवार शाम एक दूध से भरा टैंकर पलटने के बाद अनोखा नजारा देखने को मिला। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन टैंकर का ढक्कन खुलते ही सड़क पर दूध बहने लगा। देखते ही देखते आसपास के ग्रामीण बाल्टी, कैन, बोतल और ड्रम लेकर मौके पर पहुंच गए और बहता दूध भरकर ले जाने की होड़ मच गई। हादसा कोटपूतली-बहरोड़ जिले के दहमी गांव के पास शाम करीब 4:30 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार करीब 30 हजार लीटर दूध से भरा टैंकर गुजरात के पालनपुर से हरियाणा के फरीदाबाद जा रहा था। प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने के कारण टैंकर अनियंत्रित होकर सर्विस रोड की ओर चला गया और नाले के पास पलट गया। टैंकर पलटते ही उसके ढक्कन की सील टूट गई, जिससे बड़ी मात्रा में दूध सड़क पर बहने लगा। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। कुछ लोग बाल्टियों और कैनों में दूध भरने लगे, जबकि कई लोग ड्रम और पिकअप वाहन लेकर पहुंचे और दूध भरकर अपने साथ ले गए। कुछ लोगों ने मौके पर ही कच्चा दूध पीना भी शुरू कर दिया। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हादसे में घायल चालक 48 वर्षीय श्यामलाल, निवासी वाराणसी (उत्तर प्रदेश), के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। एंबुलेंस की मदद से उसे पहले बहरोड़ उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर बहरोड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभाली। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दो हाइड्रा क्रेन की सहायता से पलटे हुए टैंकर को सीधा कर सड़क किनारे हटाया गया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात सामान्य हो सका। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

डिप्टी सीएम बनकर ट्रांसफर कराने की कोशिश, नर्सिंग ऑफिसर पर केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के नाम और पद का कथित दुरुपयोग कर अपना तबादला कराने की कोशिश करने वाले नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेंद्र पारीक के खिलाफ कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई उप मुख्यमंत्री के विशिष्ट सहायक भगवत सिंह राठौड़ (आरएएस) की शिकायत पर की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने मोबाइल नंबर को इस तरह प्रदर्शित किया कि वह उप मुख्यमंत्री के नाम से दिखाई दे। इसके बाद उसने स्वयं को उप मुख्यमंत्री बताकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय के विशिष्ट सहायक बलवंत लिगरी (आरएएस) को फोन किया और अपने स्थानांतरण के लिए निर्देश दिए। इतना ही नहीं, उसने जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे को भी फोन कर खुद को उप मुख्यमंत्री बताते हुए मनचाहा कार्य आवंटित करने का दबाव बनाने का प्रयास किया। सीओ शिवम जोशी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मामले की जांच कोतवाली थाना प्रभारी अनिल देव कल्ला कर रहे हैं। पुलिस अब आरोपी के मोबाइल की सीडीआर, डूकॉलर रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी किन अधिकारियों के संपर्क में था और इस तरह की गतिविधियां कब से संचालित कर रहा था। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने जानबूझकर उप मुख्यमंत्री का प्रतिरूपण कर सरकारी अधिकारियों को भ्रमित करने, प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और संवैधानिक पद की गरिमा को ठस पहुंचाने का प्रयास किया। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटी है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस का महा-अभियान जारी: 22 दिनों में रिकॉर्ड 1.71 लाख से अधिक वाहनों पर एक्शन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 26 जून। राजस्थान की सड़कों को सुरक्षित और अनुशासित बनाने के लिए राजस्थान पुलिस का विशेष प्रवर्तन अभियान पूरी रफ्तार से चल रहा है। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के कड़े निर्देशों के बाद प्रदेशभर की यातायात और जिला पुलिस टीमें सड़कों पर मुस्तैद हैं। इस पूरे महा-अभियान की कमान महानिदेशक पुलिस यातायात श्री अनिल पालीवाल स्वयं संभाल रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के सतत पर्यवेक्षण के चलते यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ लगातार बड़ी और प्रभावी कार्रवाई देखने को मिली है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (यातायात) डॉ. बी एल मीणा ने बताया कि विशेष अभियान के समेकित आंकड़ों पर नजर डालें तो 04 जून 2026 से 25 जून 2026 तक के 22 दिनों के भीतर पूरे प्रदेश में कुल 1,71,727 वाहनों के खिलाफ कड़ी चालानी कार्रवाई की जा चुकी है, जिससे नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है। काली फिल्म और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने वालों पर टूटा पुलिस का कहर

अभियान के दौरान सबसे अधिक कार्रवाई वाहनों के शीशों पर अवैध काली फिल्म लगाने के मामलों में की गई, जिनके 63,298 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके अलावा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्ह के 43,461, वाहनों पर अनाधिकृत शब्द चिन्ह एवं लेखन के 24,033, वाहनों की संरचना (बॉडी/ चेसिस) में अवैध परिवर्तन के 18,159, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट एवं हूटर के 13,586 तथा प्रेशर हॉर्न एवं एयर हॉर्न के 9,190 मामलों में कार्रवाई की गई।

गुरुवार 25 जून को विशेष अभियान के तहत अकेले 5,982 मामलों में कार्रवाई की गई। इनमें 1,792 वाहनों के शीशों पर अवैध काली फिल्म, 1,416 नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्ह, 953 वाहन संरचना में अवैध परिवर्तन, 892 वाहनों पर अनाधिकृत शब्द चिन्ह एवं लेखन, 599 अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट एवं हूटर, 330 प्रेशर हॉर्न/ एयर हॉर्न के मामले शामिल रहे।

खाना खाने के बाद घर के बाहर बैठी महिला पर कुत्ते का हमला, चेहरे का मांस नोचा; 40 टांके आए

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। जिले के सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र के बडवेल गांव में आवारा कुत्ते के हमले में 50 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। कुत्ते ने महिला के हाथ और चेहरे पर हमला कर होंठ से गाल तक का मांस नोच लिया। गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसके चेहरे और हाथ पर करीब 40 टांके लगाए गए। एक ही दिन में इसी कुत्ते द्वारा तीन लोगों पर हमला किए जाने से गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, हीरा (50) पत्नी मकना गुरुवार शाम करीब 7 बजे खाना खाने के बाद अपने घर के बाहर बैठी थीं। इसी दौरान अचानक एक आवारा कुत्ता वहां पहुंचा और उन पर हमला कर दिया। महिला जब तक संभल पाती, तब तक कुत्ते ने उनके हाथ और चेहरे को बुरी तरह काट लिया। हमले में उनके होंठ से गाल तक का हिस्सा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। महिला की चीख-पुकार सुनकर परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा काफी मशक्कत के बाद कुत्ते को भगाया। घायल महिला को पहले सज्जनगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों ने महिला के हाथ और चेहरे पर करीब 40 टांके लगाए हैं। 108 एंबुलेंस के पायलट पंकज कुमार जाटव ने बताया कि इसी कुत्ते ने गुरुवार को गांव के दो अन्य लोगों को भी काटकर घायल कर दिया। लगातार हमलों के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोगों ने प्रशासन से कुत्ते को पकड़ने तथा आवारा पशुओं पर नियंत्रण की मांग की है। महिला का उपचार जारी है।

मंदिर की सराय से 600 किलो अनाज चोरी का खुलासा, 50 सीसीटीवी खंगाल आरोपी को दबोचा

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। जिले की पारोली थाना पुलिस ने आगरिया गांव स्थित देवनारायण भगवान मंदिर की सराय से करीब 600 किलो अनाज चोरी के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 525 किलो अनाज और वारदात में प्रयुक्त ऑल्टो कार बरामद की है। मामले का खुलासा तकनीकी जांच, बीटीएस डेटा और 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के विश्लेषण के आधार पर किया गया। पारोली थाना प्रभारी सियाराम ने बताया कि आगरिया निवासी नारायण जाट ने 20 जून की रात मंदिर की सराय का ताला तोड़कर गेहूं और मक्के के 11 कट्टे चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अगले दिन सुबह मंदिर पहुंचने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के मोबाइल टावरों का बीटीएस डेटा खंगाला तथा करीब 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस रूपपुरा निवासी 26 वर्षीय छोटू लाल गुर्जर तक पहुंची। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी दिन में मंदिरों और सुनसान स्थानों की रेकी करता था तथा रात में अपनी ऑल्टो कार से पहुंचकर वारदात को अंजाम देता था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किया गया 525 किलो अनाज बरामद कर लिया, जबकि वारदात में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त कर ली गई है। पुलिस अब आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में पारोली थाना प्रभारी सियाराम के नेतृत्व में एएसआई रामेश्वर लाल तथा कांस्टेबल सुनील, शैतान सिंह, राम अवतार और रामलाल की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुजरात से बिना ई-रॉयल्टी बजरी ला रहे तीन डंपर जब्त, तीन चालक हिरासत में

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले में अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात से बिना ई-रॉयल्टी बजरी लेकर आ रहे तीन डंपरों को जब्त कर लिया। पुलिस ने तीनों चालकों को हिरासत में लेकर धंबोला थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गुजरात सीमा से बजरी से भरे डंपर बिना वैध ई-रॉयल्टी के सरथूना-पीठ मार्ग से राजस्थान में प्रवेश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही डीएसटी ने मौके पर नाकाबंदी कर तीनों डंपरों को रोक लिया। जांच के दौरान चालकों से बजरी परिवहन से जुड़े दस्तावेज और ई-रॉयल्टी मांगी गई, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने गुजरात नंबर के तीनों डंपरों को जब्त कर लिया। हिरासत में लिए गए चालकों की पहचान महेश पुत्र रामा डामोर निवासी धंबोला, कांजी पुत्र कालू बारिया निवासी सारंगपुर, थाना मेघरज (जिला अरावली, गुजरात) तथा सूखा पुत्र धूला के रूप में हुई है। जब्त डंपरों और चालकों को अग्रिम कार्रवाई के लिए धंबोला थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया है। खनिज विभाग और पुलिस मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि जिले में अवैध खनन और बिना वैध अनुमति खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रेगिस्तान की नहर में पहली बार दिखा 5 फीट का घड़ियाल, वन विभाग अलर्ट; ग्रामीणों में दहशत

24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर। रेगिस्तान के बीच बहने वाली इंदिरा गांधी नहर में पहली बार घड़ियाल दिखाई देने से ग्रामीणों में कौतूहल के साथ दहशत भी फैल गई है। नाचना क्षेत्र के अवाय गांव के पास करीब 5 फीट लंबा घड़ियाल नहर में तैरता नजर आया, जिसका ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। तेज जल प्रवाह के साथ घड़ियाल अब पोकरण लिफ्ट क्षेत्र तक पहुंच गया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जैसलमेर के रेगिस्तानी क्षेत्र में घड़ियाल मिलने का यह पहला मामला है। प्रारंभिक अनुमान है कि यह घड़ियाल पंजाब के हरीके बैराज से इंदिरा गांधी नहर के जरिए बहकर यहां तक पहुंचा होगा। नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण फिलहाल उसका रेस्क्यू नहीं किया जा सका है। ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार शाम देवाराम और कालूराम नहर के पास से गुजर रहे थे, तभी उन्होंने पानी में एक बड़े जलीय जीव को तैरते देखा। दोनों ने मोबाइल से वीडियो बनाया और गांव में दिखाया, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग नहर किनारे पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि घड़ियाल पिछले कुछ दिनों से रोज शाम को नहर में दिखाई दे रहा है और अब वह अवाय गांव से आगे पोकरण लिफ्ट के पास तक पहुंच चुका है। उप वन संरक्षक कुमार शुभम ने बताया कि घड़ियाल मगरमच्छ प्रजाति का जीव जरूर है, लेकिन इसका लंबा और पतला जबड़ा इसे इंसानों के लिए लगभग हानिरहित बनाता है। यह मुख्य रूप से मछलियां खाता है और सामान्य परिस्थितियों में मनुष्यों पर हमला नहीं करता। इसके बावजूद वन विभाग ने लोगों से नहर के किनारे अनावश्यक भीड़ नहीं लगाने और सावधानी बरतने की अपील की है।

24 घंटे में दबोचा नाबालिग से दुष्कर्म का 25 हजार का इनामी आरोपी, शरण देने वाला भी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/ अलवर। टहला थाना क्षेत्र में नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में अलवर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी मुख्य आरोपी को वारदात के महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को शरण देने वाले उसके साथी को भी पुलिस ने दबोच लिया। भागने के प्रयास में मुख्य आरोपी के दोनों पैर टूट गए, जबकि वारदात में प्रयुक्त बाइक भी चोरी की निकली। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार और डॉ. प्रियंका के सुपरविजन में सीओ कुलदीप देशराज और इंदु लोदी के नेतृत्व में डीएसटी, साइक्लोन सेल, राजगढ़, सदर और टहला थाना पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने 220 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी राहुल कुमार मीणा (27) निवासी करनावर, दौसा तथा उसे शरण देने वाले रिंकू मीणा (23) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार 24 जून को नाबालिग के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया था। डीएसटी के कांस्टेबल मुरारीलाल मीणा की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की। इस दौरान भागने की कोशिश में राहुल गिर गया, जिससे उसके दोनों पैर घायल हो गए। पूछताछ में उसने वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल चोरी की होना भी स्वीकार किया। जांच में सामने आया कि राहुल के खिलाफ पहले से पॉक्सो, एनडीपीएस और चोरी सहित चार आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि रिंकू पर भी चोरी के चार प्रकरण दर्ज हैं। कार्रवाई में राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार मीणा, सदर थानाधिकारी विजेंद्र सिंह, टहला थाना प्रभारी मुकेश कुमार मीणा, कठूमर थानाधिकारी सुनील कुमार टॉक और साइक्लोन सेल प्रभारी संदीप कुमार की टीम की अहम भूमिका रही।

मानसून की दस्तक से पहले लेकसिटी में मौसम का बदला मिजाज, दिनभर धूप-बारिश का खेल, ऑरेंज अलर्ट जारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी में दक्षिण-पश्चिम मानसून की दस्तक से पहले मौसम लगातार नए रंग दिखा रहा है। शुक्रवार को शहर में दिनभर धूप, बादल और बारिश का सिलसिला चलता रहा। दोपहर तक तेज धूप और उमस से लोग बेहाल रहे, लेकिन करीब दोपहर 12 बजे के बाद अचानक आसमान पर घने बादल छा गए और शहर के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। इसके बाद मौसम कुछ देर के लिए सुहावना हो गया, लेकिन बादल छंटते ही तेज धूप निकलने से उमस फिर बढ़ गई। शाम करीब साढ़े तीन बजे के बाद शहर के कई इलाकों में एक बार फिर खंडवर्षा दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट आई और लोगों को राहत मिली। बारिश का असर शहर के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग देखने को मिला। गोवर्धन विलास, हिरणमगरी, सविना, चेतक सर्किल, कोर्ट चौराहा, प्रतापनगर, सुंदरवास और सेवाश्रम सहित कई क्षेत्रों में हल्की से तेज बारिश हुई, जबकि कुछ इलाकों में बारिश नहीं हुई। ऐसे में शहर में एक साथ गर्मी, उमस और ठंडी हवाओं का मिश्रित असर महसूस किया गया। मौसम विज्ञानियों के अनुसार यह स्थिति दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने से पहले बनने वाले प्री-मानसून सिस्टम का परिणाम है। अरब सागर से लगातार बढ़ रही नमी और स्थानीय संवहनीय गतिविधियों (कन्वेक्टिव एक्टिविटी) के कारण दक्षिणी राजस्थान में छिटपुट वर्षा का दायरा बढ़ रहा है। ऐसे मौसम में कम समय में तेज बादल बनते हैं, कुछ क्षेत्रों में अच्छी बारिश होती है तो कुछ स्थान लगभग सूखे रह जाते हैं। यही कारण है कि उदयपुर में खंडवर्षा का पैटर्न लगातार देखने को मिल रहा है। तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि इससे पहले अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस था। तापमान में कमी के बावजूद वातावरण में नमी बढ़ने से उमस का असर बना हुआ है। इधर भारत मौसम विज्ञान विभाग, जयपुर ने शुक्रवार दोपहर 3:50 बजे जारी तात्कालिक मौसम चेतावनी में अगले तीन घंटे के लिए उदयपुर सहित 12 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। विभाग के अनुसार उदयपुर, डूंगरपुर, सलूम्बर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा सहित कई जिलों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, मेघगर्जन, वज्रपात, ओलावृष्टि तथा हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों, यात्रियों और आमजन को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मानसून की वर्तमान गति बनी रहती है तो अगले कुछ दिनों में दक्षिणी राजस्थान में वर्षा गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। फिलहाल 2 जुलाई तक उदयपुर में बादलों की आवाजाही, रुक-रुक कर बारिश और मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव बने रहने के संकेत हैं।

वनपाल भर्ती परीक्षा : उदयपुर में 18,927 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 57 केंद्रों पर कड़ी निगरानी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा शनिवार, 28 जून को जिले में एक ही पारी में आयोजित होगी। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी। परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में 18,927 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे, जिनके लिए 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर सुरक्षा एवं निगरानी के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार शाम ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी 57 केंद्र अधीक्षक, 76 ऑब्जर्वर और 29 डिप्टी कोऑर्डिनेटर शामिल हुए। बैठक में परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था एवं बोर्ड के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई।

57 परीक्षा केंद्रों पर रहेगी कड़ी निगरानी

उदयपुर शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में बनाए गए 57 परीक्षा केंद्रों में 38 सरकारी स्कूल एवं कॉलेज तथा 19 निजी शिक्षण संस्थान शामिल हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कुल 76 ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। सरकारी परीक्षा केंद्रों पर एक-एक तथा निजी केंद्रों पर दो-दो ऑब्जर्वर तैनात रहेंगे। परीक्षा कक्षों में प्रत्येक कमरे में अधिकतम 24 परीक्षार्थियों को बैठाया जाएगा तथा हर कक्ष में दो-दो वीक्षक (इनविजिलेटर) नियुक्त किए जाएंगे, ताकि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और नकलविहीन हो सके। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी अभ्यर्थियों का मुख्य प्रवेश द्वार पर फेस ऑथेंटिकेशन किया जाएगा। इसके साथ ही उनकी सघन जांच होगी, जिसकी पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रिकॉर्ड की जाएगी। बोर्ड के निर्देशानुसार परीक्षा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण कार्यों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए जरूरी नियम

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से 60 मिनट पहले तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परिस्थिति में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थियों को अपने साथ ई-एडमिट कार्ड एवं निर्धारित पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाना होगा। बिना प्रवेश पत्र किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, स्मार्ट वॉच, ईयरफोन, कैलकुलेटर या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बोर्ड के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन के अनुसार जिले के सबसे दूर स्थित परीक्षा केंद्रों में महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़ी (करीब 13 किलोमीटर) तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बलीचा (करीब 11 किलोमीटर) शामिल हैं।

शादी समारोह का भोजन पड़ा भारी, फूड पॉइजनिंग से 46 लोग बीमार; 10 अस्पताल में भर्ती, दो उदयपुर रेफर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/सलूम्बर। सलूम्बर जिले के परसाद थाना क्षेत्र के खेरकी गांव में एक शादी समारोह के दौरान परोसा गया भोजन दर्जनों लोगों पर भारी पड़ गया। मंडप भोज करने के बाद 46 लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। प्रभावित लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। स्वास्थ्य विभाग ने प्राथमिक उपचार के बाद 10 मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया है, जिनमें से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें उदयपुर के महाराणा भूपाल (एमबी) अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार खेरकी गांव के भमात फला की ढाणी निवासी गोविंद मीणा के पुत्र संदीप मीणा का विवाह समारोह गुरुवार को आयोजित किया गया था। समारोह में ग्रामीणों, रिश्तेदारों और परिचितों के लिए मंडप भोज रखा गया था। भोजन सुबह करीब 11 बजे तैयार किया गया, जबकि इसे शाम 4 बजे से 7 बजे के बीच मेहमानों को परोसा गया।

भोजन के बाद बिगड़ने लगी तबीयत

भोजन करने के कुछ समय बाद कई लोगों को अचानक पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते बीमार लोगों की संख्या बढ़ने लगी और गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसी दौरान खेरकी से बारात लेकर उदयपुर के सुरफलाया जा रहे कुछ बाराती भी रास्ते में अस्वस्थ हो गए। तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर वे वापस लौटे और सीधे परसाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचकर उपचार कराया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार आठ मरीजों का उपचार परसाद सीएचसी में भर्ती कर किया जा रहा है, जबकि किशन मीणा (18) और पुष्पा मीणा (45) की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए उदयपुर के महाराणा भूपाल अस्पताल रेफर किया गया। अन्य प्रभावित लोगों को प्राथमिक उपचार और दवाइयां देकर घर भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही चिकित्सा प्रभारी डॉ. महेंद्र डामोर के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने विवाह स्थल का निरीक्षण करने के साथ ही गांव में डोर-टू-डोर सर्वे शुरू किया। सर्वे के दौरान सभी 46 प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही चिकित्सा दलों को क्षेत्र में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. महेंद्र परमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला फूड पॉइजनिंग का प्रतीत हो रहा है। हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए विवाह समारोह में परोसे गए भोजन के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही बीमारी के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

जेट प्रवेश परीक्षा कल, उदयपुर में 16 केंद्रों पर 6,528 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राज्य के कृषि एवं संबद्ध विषयों के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली राज्यस्तरीय जेट (JET), प्री-पीजी एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा आज (27 जून) आयोजित होगी। परीक्षा के लिए उदयपुर जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिले में बनाए गए 16 परीक्षा केंद्रों पर 6,528 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। शहर समन्वयक एवं राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर के अधिष्ठाता डॉ. मनोज कुमार महला ने बताया कि परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 1:10 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों एवं निरीक्षकों की नियुक्ति की गई है। यह परीक्षा स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से आयोजित की जा रही है। इसके माध्यम से प्रदेश के कृषि, उद्यानिकी, वानिकी, मात्स्यिकी, गृह विज्ञान तथा डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश दिए जाएंगे। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलगुरु प्रो. प्रताप सिंह ने बताया कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सामान्य एवं विशेष अधिकार प्राप्त उड़नदस्तों का गठन किया गया है। इसके अलावा सभी परीक्षा केंद्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। प्रशासन ने अभ्यर्थियों से निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने तथा प्रवेश पत्र एवं आवश्यक पहचान पत्र साथ लाने की अपील की है। साथ ही परीक्षा से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा गया है।

स्वर-प्रभात कार्यक्रम कल शिल्पग्राम के आंगन में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 जून। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर, तथा संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में प्रभात की रागों पर आधारित शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम स्वर-प्रभात का आयोजन दिनांक 27 जून 2026 शनिवार को शिल्पग्राम के आंगन में प्रातः 06 से 08 बजे तक किया जावेगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन महेश दलवी ने इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को शिल्पग्राम के आंगन में आयोजित इस कार्यक्रम में अहमदाबाद के श्री जयन नायर द्वारा कर्णाटिक गायन, आचार्य गोस्वामी रणछोड़ लाल जी अहमदाबाद द्वारा हवेली संगीत तथा उदयपुर के श्री भगवती प्रसाद ब्यावत द्वारा सारंगी वादन की प्रस्तुति दी जावेगी। भारतीय शास्त्रीय संगीत में भोर की राग रागिनियां एक ऐसी संगीतमय संरचना है जिसे सूर्योदय के समय गाया एवं बजाया जाता है। ये राग शांति, एकाग्रता और आध्यात्मिक जागृति उत्पन्न करने के लिए रचे गए हैं। इस कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों तथा आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

बिजली शटडाउन से उदयपुर के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित, जल वितरण कार्यक्रम में बदलाव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के कई क्षेत्रों में शनिवार को होने वाली पेयजल आपूर्ति के निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) ने नागरिकों से संशोधित कार्यक्रम के अनुसार पानी का उपयोग करने और आवश्यकतानुसार पहले से जल संग्रह करने की अपील की है। विभाग के अनुसार मानसी-वाकल परियोजना, झाड़ोल से जुड़े 132 केवी जीएसएस पर विद्युत लाइन के मरम्मत कार्य के चलते शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस शटडाउन के कारण जल शोधन एवं पंपिंग कार्य प्रभावित रहेगा, जिससे शहर के कुछ इलाकों में पेयजल वितरण कार्यक्रम में परिवर्तन किया गया है। संशोधित कार्यक्रम के तहत छीपा कॉलोनी एवं कोर्ट परिसर उच्च जलाशय से शनिवार दोपहर प्रस्तावित पेयजल आपूर्ति को एक दिन आगे बढ़ा दिया गया है। इसी प्रकार रविवार, 28 जून को एकलव्य कॉलोनी, छीपा कॉलोनी और सज्जन नगर उच्च जलाशय से सुबह होने वाली जलापूर्ति भी एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे संशोधित जल वितरण कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए पानी का आवश्यक भंडारण कर लें तथा जल का उपयोग सावधानीपूर्वक करें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

बारिश से पहले निगम सख्त: घटिया काम पर कमिश्नर का एक्शन, ठेकेदार का भुगतान रोका

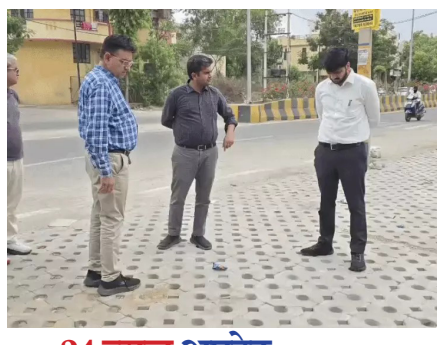

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की सड़कों को बारिश में खराब होने से बचाने के लिए चल रहे एएनसीएपी (ANCAP) प्रोजेक्ट में लापरवाही सामने आने पर नगर निगम कमिश्नर अभिषेक खन्ना ने शुक्रवार को कड़ा रुख अपनाया। विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण करने पहुंचे कमिश्नर ने घटिया गुणवत्ता का काम मिलने पर संबंधित एजेंसी का भुगतान तत्काल प्रभाव से रोकने और दोषपूर्ण कार्य दोबारा कराने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने रामपुरा चौराहा, सीपीएस स्कूल, न्यू भूपालपुरा, 100 फीट रोड, सेक्टर-3 बीएसएनएल कार्यालय और एफसीआई गोदाम क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ अधीक्षण अभियंता मनीष अरोड़ा और अधिशासी अभियंता अखिल गोयल भी मौजूद रहे। निरीक्षण में पाया गया कि पूर्व निर्देशों के बावजूद कई स्थानों पर पेवर ब्लॉक का ढलान नालियों की ओर नहीं रखा गया, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की आशंका बनी हुई है। इस पर नाराजगी जताते हुए कमिश्नर ने संबंधित ठेकेदार का भुगतान रोकने और सभी तकनीकी खामियों को तत्काल दूर करने के आदेश दिए। दौरे के दौरान कमिश्नर ने यह भी पाया कि कई मकानों और दुकानों के बाहर बने अवैध रैंप सड़क के ढलान को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे पानी की निकासी बाधित हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे सभी अस्थायी एवं अवैध रैंप हटाने के निर्देश दिए, ताकि पेवर ब्लॉक का कार्य मानकों के अनुरूप किया जा सके। कमिश्नर अभिषेक खन्ना ने कहा कि बारिश के दौरान जलभराव से डामर उखड़ता है और सड़कें समय से पहले क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे आमजन को परेशानी और निगम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा इंजीनियरों को नियमित रूप से मौके पर रहकर कार्य की निगरानी सुनिश्चित करनी होगी।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।